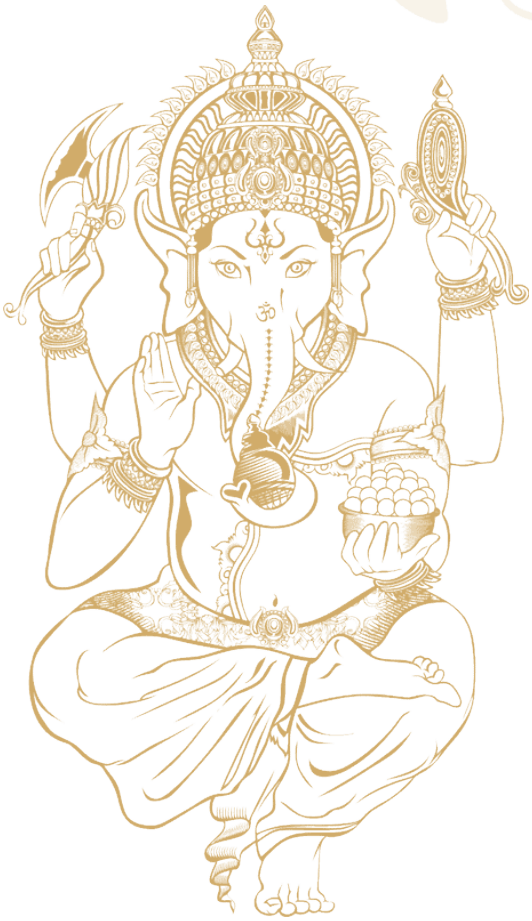

Mr. GANESH JI SHARMA

Ms. VISHNUPRIYA

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119079001

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119079001 Date: 13/08/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
16/01/2002	जन्म तिथि	17/11/2005
बुधवार	दिन	गुरुवार
घंटे 11:03:00	जन्म समय	17:03:00 घंटे
घटी 10:17:37	जन्म समय(घटी)	26:24:40 घटी
India	देश	India
Shimoga	स्थान	Nagaur
13:56:00 उत्तर	अक्षांश	27:12:00 उत्तर
75:31:00 पूर्व	रेखांश	73:44:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:27:56	स्थानिक संस्कार	-00:35:04 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:55:57	सूर्योदय	06:56:58
18:19:27	सूर्यास्त	17:43:04
23:52:52	चित्रपक्षीय अयनांश	23:56:16
मीन	लग्न	मेष
गुरु	लग्न लग्नाधिपति	मंगल
कुम्भ	राशि	वृष
शनि	राशि-स्वामी	शुक्र
धनिष्ठा	नक्षत्र	रोहिणी
मंगल	नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
3	चरण	3
व्यतिपात	योग	शिव
तैतिल	करण	तैतिल
गू-गूजरमल	जन्म नामाक्षर	वी-वीणा
मकर	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक
शूद्र	वर्ण	वैश्य
मानव	वश्य	चतुष्पाद
सिंह	योनि	सर्प
राक्षस	गण	मनुष्य
मध्य	नाड़ी	अन्त्य
मार्जार	वर्ग	मृग

Gayatri jyotish karyalaya
Sojat Road, Rajasthan 306103, India
9799364202, 9929276521
rakeshvyas1988@gmail.com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
मंगल 2वर्ष 6मा 1दि		11:18:29	मीन	लग्न	मेष	20:44:48	चन्द्र 3वर्ष 4मा 2दि	
गुरु		02:01:30	मक	सूर्य	वृश्चि	01:16:53	राहु	
19/07/2022		01:53:45	कुंभ	चंद्र	वृष	18:52:45	21/03/2016	
19/07/2038		04:08:00	मीन	मंगल व	मेष	17:44:59	22/03/2034	
गुरु	05/09/2024	19:58:05	मक	बुध व	वृश्चि	16:08:57	राहु	02/12/2018
शनि	20/03/2027	14:46:51	मिथु व	गुरु	तुला	10:52:42	गुरु	27/04/2021
बुध	25/06/2029	02:26:36	मक	शुक्र	धनु	17:30:48	शनि	03/03/2024
केतु	01/06/2030	14:37:59	वृष व	शनि	कर्क	17:21:03	बुध	20/09/2026
शुक्र	30/01/2033	03:00:41	मिथु व	राहु व	मीन	18:59:36	केतु	09/10/2027
सूर्य	18/11/2033	03:00:41	धनु व	केतु व	कन्या	18:59:36	शुक्र	08/10/2030
चन्द्र	20/03/2035	29:20:12	मक	हर्ष	कुंभ	12:54:21	सूर्य	02/09/2031
मंगल	24/02/2036	14:06:49	मक	नेप	मक	21:00:38	चन्द्र	03/03/2033
राहु	19/07/2038	22:40:16	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	29:19:22	मंगल	22/03/2034

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:52:52 चित्रपक्षीय अयनांश 23:56:16

लग्न-चलित

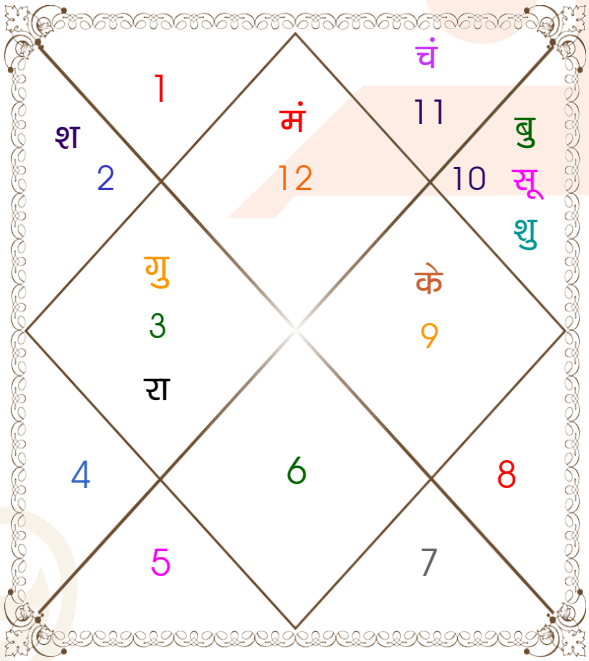

लग्न-चलित

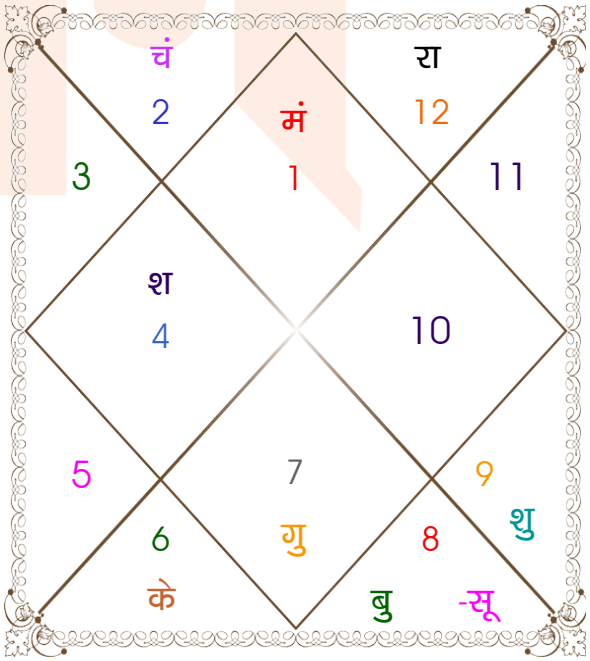

Gayatri jyotish karyalaya
Sojat Road, Rajasthan 306103, India
9799364202, 9929276521
rakeshvyas1988@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	सिंह	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

कुल : **26 / 36**

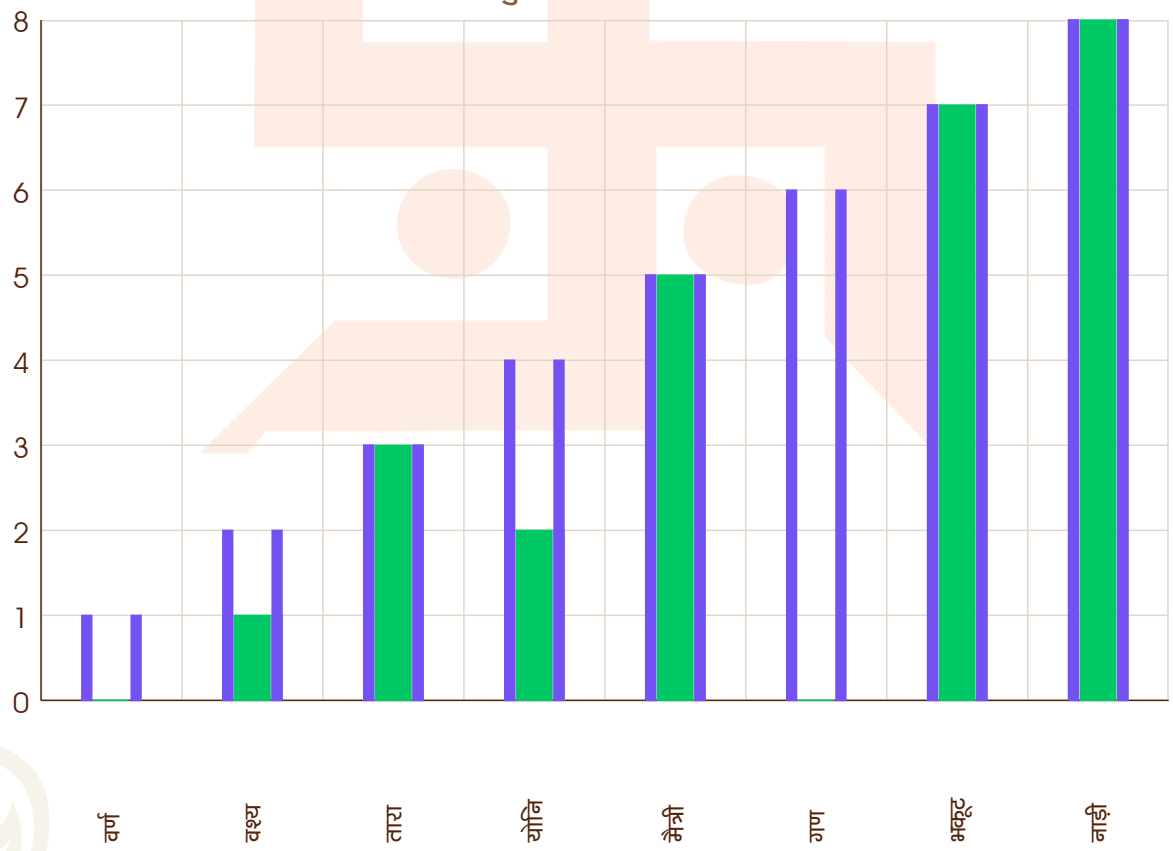

Gayatri jyotish karyalaya
Sojat Road, Rajasthan 306103, India
9799364202, 9929276521
rakeshvyas1988@gmail.com

अष्टकूट मिलान

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

Mr. GANESH JI SHARMA का वर्ग मार्जार है तथा डेण टैप्भ्छन्व्त्प्ल। का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. GANESH JI SHARMA और डेण टैप्भ्छन्व्त्प्ल। का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. GANESH JI SHARMA मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

डेण टैप्भ्छन्व्त्प्ल। मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल डेण टैप्भ्छन्व्त्प्ल। कि कुण्डली में प्रथम भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

ढप्थ;थ्डम्गंवूदक्मइ;0द्धत्र1द्धझ क्योंकि मंगल डेण टैप्भ्छन्व्त्प्ल। कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Mr. GANESH JI SHARMA कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. GANESH JI SHARMA तथा डेण टैप्भ्छन्व्त्प्ल। में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Mr. GANESH JI SHARMA का वर्ण शूद्र है तथा डेण टैप्भ्छन्न्त्प्ल। का वर्ण वैश्य है। क्योंकि डेण टैप्भ्छन्न्त्प्ल। का वर्ण Mr. GANESH JI SHARMA के वर्ण से ऊँचा है जिसके कारण यह अच्छा मिलान नहीं है। डेण टैप्भ्छन्न्त्प्ल। अति स्वार्थी तथा धन-लोलुप होगी। वह हमेशा दूसरों की कीमत पर सिर्फ अपने स्वार्थ की पूर्ति करती रहेगी। यह डेण टैप्भ्छन्न्त्प्ल। अपने पति, बच्चों तथा परिवार के लोगों की न तो चिन्ता करेगी और न ही देखभाल। लड़ाई-झगड़ा करके यह हमेशा घर के लोगों का जीना दूभर कर सकती है।

वश्य

Mr. GANESH JI SHARMA का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं डेण टैप्भ्छन्न्त्प्ल। का वश्य चतुष्पद अर्थात पशु है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। यद्यपि कि जानवर एवं मनुष्य के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद अलग-अलग होते हैं फिर भी दोनों एक-दूसरे के सान्निध्य में जीवन व्यतीत करते हैं। फलस्वरूप Mr. GANESH JI SHARMA एवं डेण टैप्भ्छन्न्त्प्ल। दोनों प्रेम एवं सौहार्द के साथ एक-दूसरे के साथ जीवन व्यतीत कर सकेंगे। डेण टैप्भ्छन्न्त्प्ल। अपने पति की हर आज्ञा शिरोधार्य करेगी तथा बदले में Mr. GANESH JI SHARMA अपनी पत्नी की देखभाल करेगा तथा उसे प्रेम प्रदान करेगा।

तारा

Mr. GANESH JI SHARMA की तारा सम्पत तथा डेण टैप्भ्छन्न्त्प्ल। की तारा अतिमित्र है। अतः तारा मिलान अनुकूल होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इस मिलान के कारण उत्तम स्वास्थ्य, धन एवं समृद्धि का बनी रहेगी। इस विवाह से Mr. GANESH JI SHARMA एवं डेण टैप्भ्छन्न्त्प्ल। दोनों के सौभाग्य के द्वार खुल जायेंगे। डेण टैप्भ्छन्न्त्प्ल। एक अच्छे साथी की भूमिका अदा करने वाली होगी तथा अपने पति की हर प्रकार से समय समय पर मदद करती रहेगी। घर में प्रेम, शांति एवं सौहार्द का माहौल बना रहेगा। इनकी संतान भी काफी अच्छी होंगी तथा जीवन में सफलता प्राप्त करती रहेंगी।

योनि

Mr. GANESH JI SHARMA की योनि सिंह है तथा डेण टैप्भ्छन्न्त्प्ल। की योनि सर्प है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि

दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Mr. GANESH JI SHARMA एवं डेण टैप्भ्छन्च्त्प्ल। दोनों के राशि स्वामी परस्पर मित्र हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि Mr. GANESH JI SHARMA एवं डेण टैप्भ्छन्च्त्प्ल। के राशिस्वामी परस्पर मित्र होने के कारण इसे अति उत्तम मिलान माना जाता है। जिसके कारण Mr. GANESH JI SHARMA एवं डेण टैप्भ्छन्च्त्प्ल। जीवन की हर खुशी एवं सुख प्राप्त करने में सफल होंगे तथा इनमें परस्पर विश्वास, प्रेम, समझ एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। साथ ही हर प्रकार की सुख-सुविधाओं एवं वैभव से परिपूर्ण होंगे।

गण

Mr. GANESH JI SHARMA का गण राक्षस है तथा डेण टैप्भ्छन्च्त्प्ल। का गण मनुष्य है। अर्थात डेण टैप्भ्छन्च्त्प्ल। का गण Mr. GANESH JI SHARMA के गण से श्रेष्ठ है। अतः यह मिलान बहुत बुरा मिलान रहेगा। ज्योतिषीय दृष्टि से यह संबंध अधिक दिनों तक नहीं रहने वाला होगा। दोनों के वैचारिक मतभेद परिवार के सदस्यों के जीवन को अशांत बना सकते हैं। ऐसा विवाह त्याज्य है।

भकूट

Mr. GANESH JI SHARMA से डेण टैप्भ्छन्च्त्प्ल। की राशि चतुर्थ भाव में स्थित है तथा डेण टैप्भ्छन्च्त्प्ल। से Mr. GANESH JI SHARMA की राशि दशम भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण Mr. GANESH JI SHARMA परिश्रमी एवं अपने व्यवसाय में काफी अच्छे होंगे। अपने व्यवसाय में लगन, निष्ठा एवं मेहनत के कारण उन्हें सभी से प्रशंसा प्राप्त होती रहेगी। दूसरी ओर डेण टैप्भ्छन्च्त्प्ल। घरेलू होंगी। अपने आतिथ्य भाव एवं सब का ध्यान रखने तथा बड़ों को सम्मान देने की प्रवृत्ति कारण परिवार के सदस्यों की आंखों

का तारा होंगी। पति-पत्नी के बीच असीम प्रेम, सहयोग एवं सामंजस्य बना रहेगा।

नाड़ी

Mr. GANESH JI SHARMA की नाड़ी मध्य है तथा डेण टैप्भ्छन्न्त्प्ल। की नाड़ी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह जीवन के लिए आवश्यक दो महत्वपूर्ण अवयवों का समन्वय है। अच्छे स्वास्थ्य, स्वस्थ काया एवं अच्छे यौन जीवन के लिए वात, पित्त एवं कफ का शरीर में संतुलन आवश्यक है। जिसके कारण Mr. GANESH JI SHARMA एवं डेण टैप्भ्छन्न्त्प्ल। के बीच साहचर्य, सुख एवं समृद्धि की वृद्धि तथा उन्हें अच्छे, स्वस्थ एवं आज्ञाकारी संतान प्रदान होगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

Mr. GANESH JI SHARMA की जन्म राशि वायुतत्व युक्त कुम्भ तथा डेण टैप्भ्छन्त्प्ल। की पृथ्वी तत्व युक्त वृष राशि है। इसके प्रभाव से Mr. GANESH JI SHARMA और डेण टैप्भ्छन्त्प्ल। के मध्य स्वभावगत असमानताएं अधिक होंगी। अतः संबंधों में सामान्यतया मधुरता नहीं रहेगी जिससे वैवाहिक जीवन सुखमय नहीं रहेगा। अतः यह मिलान अनुकूल नहीं रहेगा।

Mr. GANESH JI SHARMA की राशि का स्वामी शनि तथा डेण टैप्भ्छन्त्प्ल। की राशि का स्वामी शुक्र दोनों परस्पर मित्र राशियों में स्थित है। अतः सुखी दाम्पत्य जीवन के लिए यह ग्रह स्थिति शुभ रहेगी। इसके प्रभाव से Mr. GANESH JI SHARMA और डेण टैप्भ्छन्त्प्ल। के मध्य प्रेम सहानुभूति तथा समर्पण का भाव होगा तथा सुख दुख में एक दूसरे को पूर्ण सुख तथा सहयोग प्रदान करने के लिए तत्पर रहेंगे। साथ ही एक दूसरे के गुणों की प्रशंसा तथा कमियों की उपेक्षा करेंगे इससे परस्पर संबंधों में मधुरता रहेगी तथा वैवाहिक जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

Mr. GANESH JI SHARMA और डेण टैप्भ्छन्त्प्ल। की राशियां परस्पर चतुर्थ एवं दशम भाव में पड़ती है शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से उपरोक्त शुभ प्रभावों में वृद्धि होगी तथा एक दूसरे के प्रति आत्मिक लगाव रहेगा। साथ ही सहअस्तित्व एवं स्वतंत्रता का भी परस्पर सम्मान करेंगे जिससे आपस में पूर्ण विश्वसनीयता रहेगी। ये सभी तथ्य सुखी दाम्पत्य जीवन के अनुकूल है। अतः इनका जीवन सुखमय रहेगा।

Mr. GANESH JI SHARMA का वश्य मानव तथा डेण टैप्भ्छन्त्प्ल। का वश्य चतुष्पद है। मानव एवं चतुष्पद में नैसर्गिक विषमता होने के कारण इनकी अभिरूचियों में अंतर रहेगा। तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी आवश्यकताएं अलग रहेंगी। साथ ही दाम्पत्य संबंधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में असमर्थ रहेंगे। अतः परस्पर सामंजस्यपूर्ण व्यवहार रखना चाहिए।

Mr. GANESH JI SHARMA का वर्ण शूद्र तथा डेण टैप्भ्छन्त्प्ल। का वर्ण वैश्य है। अतः इसके प्रभाव से Mr. GANESH JI SHARMA की प्रवृति किसी भी कार्य को परिश्रम तथा ईमानदारी से करने की रहेगी जबकि डेण टैप्भ्छन्त्प्ल। धनार्जन में विशेष रूचि रखेंगी तथा धन को ही जीवन में विशेष महत्व प्रदान करेंगी। अतः इनमें यदा कदा मतभेद हो सकते है।

धन

Mr. GANESH JI SHARMA की तारा सम्पत तथा डेण टैप्भ्छन्त्प्ल। की तारा अतिमित्र है इसके शुभ प्रभाव से Mr. GANESH JI SHARMA सौभाग्यशाली तथा धनवान व्यक्ति होंगे तथा डेण टैप्भ्छन्त्प्ल। के भाग्य से उनकी धन सम्पति में नित्य वृद्धि होती रहेगी। भकूट का उनकी आर्थिक स्थिति पर सामान्य प्रभाव रहेगा तथा उससे आर्थिक स्थिति सामान्य ही रहेगी। साथ ही मंगल का भी आर्थिक क्षेत्र पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार वे ऐश्वर्य एवं समृद्धि

से युक्त होंगे तथा प्रचुर मात्रा में धनार्जन करके अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

Mr. GANESH JI SHARMA और डेण टैप्भ्छन्च्त्प्ल। को अनायास धन प्राप्ति की पूर्ण संभावना रहेगी तथा जीवन में वे समस्त भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग करने में समर्थ रहेंगे। विशेष रूप से डेण टैप्भ्छन्च्त्प्ल। का शुभ प्रभाव इनकी आर्थिक स्थिति पर रहेगा तथा सामाजिक स्तर पर भी उनका पूर्ण सम्मान रहेगा।

स्वास्थ्य

Mr. GANESH JI SHARMA की नाड़ी मध्य तथा डेण टैप्भ्छन्च्त्प्ल। की नाड़ी अन्त्य है। अतः अलग अलग नाड़ियों में जन्म होने के कारण नाड़ी दोष के प्रभाव से मुक्त रहेंगे अतः गंभीर शारीरिक कष्ट से सुरक्षित रहेंगे लेकिन मंगल का दोनों के स्वास्थ्य पर अच्छा प्रभाव नहीं रहेगा। इससे दोनों गुप्त या धातु संबंधी रोगों से परेशानी की अनुभूति करेंगे। साथ ही संभोग क्रिया में भी दोनों शिथिलता तथा उदासीनता प्रदर्शन का करेंगे जिससे दाम्पत्य जीवन के सुख में अल्पता की अनुभूति होगी। इसके अतिरिक्त डेण टैप्भ्छन्च्त्प्ल। के गर्भपात की भी संभावना रहेगी। अतः उपरोक्त अशुभ प्रभावों में न्यूनता करने के लिए Mr. GANESH JI SHARMA और डेण टैप्भ्छन्च्त्प्ल। दोनों को हनुमान की उपासना, मंगलवार के उपवास तथा मूंगा आदि धारण करना चाहिए। इससे अशुभ प्रभावों में न्यूनता तथा शुभ प्रभावों में वृद्धि होगी।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Mr. GANESH JI SHARMA और डेण टैप्भ्छन्च्त्प्ल। का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Mr. GANESH JI SHARMA और डेण टैप्भ्छन्च्त्प्ल। के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में डेण टैप्भ्छन्च्त्प्ल। के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन डेण टैप्भ्छन्च्त्प्ल। को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में डेण टैप्भ्छन्च्त्प्ल। को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Mr. GANESH JI SHARMA और डेण टैप्भ्छन्च्त्प्ल। सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Mr. GANESH JI SHARMA और डेण टैप्भ्छन्च्त्प्ल। का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

डेण टैप्भ्छन्च्त्प्ल। के अपनी सास से संबधों में अनुकूलता तथा मधुरता रहेगी तथा उनकी तरफ से डेण टैप्भ्छन्च्त्प्ल। किसी भी अनावश्यक समस्या या असुविधा का सामना नहीं करना पड़ेगा। डेण टैप्भ्छन्च्त्प्ल। के हृदय में उनके प्रति सेवा भाव रहेगा तथा अपनी सेवा के द्वारा उन्हें प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रखने के लिए प्रयत्नशील रहेंगी। यद्यपि यदा कदा इनके मध्य मतभेद या विवाद भी होंगे लेकिन यह अल्प समय के लिए होगा तथा सामान्यतया संबधों में मधुरता बनी रहेगी।

उनके ससुर से डेण टैप्भ्छन्च्त्प्ल। को विशेष स्नेह सम्मान तथा अनुकूलता प्राप्त नहीं होगी तथा के द्वारा डेण टैप्भ्छन्च्त्प्ल। को समय समय पर समस्याओं तथा व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा लेकिन देवर एवं ननदों से डेण टैप्भ्छन्च्त्प्ल। के अत्यंत ही स्नेह एवं सौहार्द पूर्ण संबध रहेंगे तथा उनसे इन्हें पूर्ण सम्मान तथा सहयोग मिलेगा। साथ ही परस्पर संबधों में मित्रता का भाव रहेगा तथा आपसी समस्याओं तथा सुख दुख में एक दूसरे को अपना सहयोग प्रदान करते रहेंगे। इस प्रकार डेण टैप्भ्छन्च्त्प्ल। के सास ससुर का दृष्टिकोण सामान्यतया अनुकूल नहीं रहेगा।

ससुराल-श्री

Mr. GANESH JI SHARMA तथा उनकी सास के आपसी संबधों में विशेष मधुरता नहीं रहेगी तथा कई मामलों में उनके मध्य काफी प्रबल मतभेद समय समय पर दृष्टि गोचर होंगे। अतः यदि परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता के भाव का प्रदर्शन किया जाय तो इन मतभेदों में न्यूनता आएगी तथा आपसी संबधों में मधुरता के भाव की वृद्धि होगी जिससे स्नेह एवं सम्मान का भाव बना रहेगा।

लेकिन ससुर के साथ में Mr. GANESH JI SHARMA के संबध अच्छे रहेंगे तथा वह उन्हें अपने पिता की तरह मान सम्मान तथा सेवा का भाव प्रदान करेंगे। साथ ही समयानुसार वह Mr. GANESH JI SHARMA को अपनी ओर से बहुमूल्य तथा आवश्यक सलाह भी प्रदान करते रहेंगे एवं उन्हें अपने पुत्र के समान अपनत्व तथा स्नेह प्रदान करेंगे। साले एवं सालियों के साथ ही Mr. GANESH JI SHARMA के संबध अच्छे रहेंगे तथा उनसे वांछित आदर सहयोग एवं सहानुभूति प्राप्त होती रहेगी। साथ ही उनसे सामंजस्य का भाव भी रहेगा। इस प्रकार ससुराल का दृष्टिकोण Mr. GANESH JI SHARMA के प्रति अनुकूल ही रहेगा।